भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5

जिसका उत्तर दिनांक 20.07.2023 को दिया जाना है

निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था

5 श्री अयोध्या रामी रेड्डी आला :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वर्ष 2070 तक भारत को निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परमाणु ऊर्जा को बढ़ाने की कोई कार्य योजना मौजूद है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था में परिवर्तन से जुड़े संभावित आर्थिक लाभ और चुनौतियों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार द्वारा निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था प्राप्त करने के लिए कोई विशिष्ट लक्ष्य या उपलब्धि स्तर निर्धारित किए गए हैं और इसमें प्रगति और जवाबदेही को किस प्रकार मापा जाता है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, हां। निर्माणाधीन और मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर वर्तमान संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता वर्ष 2031 तक 7480 मेगावाट से 22480 मेगावाट तक बढ़ाया जाना निर्धारित है। सरकार ने भविष्य में नाभिकीय रिएक्टर स्थापित करने के लिए नए स्थलों का 'सैद्धांतिक' अनुमोदन भी दे दिया है।

(ख) भारत जीवाश्म ईंधन संसाधनों में बहुत समृद्ध नहीं है और वृहद् और बढ़ती हुई ऊर्जा मांग को देखते हुए, सभी ऊर्जा स्रोतों का इष्टतम उपयोग किया जाता है। नाभिकीय ऊर्जा बिजली उत्पादन का एक स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल आधार भार स्रोत है, जो 24 X 7 उपलब्ध है। इसमें अपार संभावनाएं भी हैं और यह देश को संधारणीय तरीके से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा प्रदान कर सकती है। परमाणु ऊर्जा क्षमता के विस्तार से शुद्ध शून्य कार्बन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूरा करने में देश के ऊर्जा संक्रमण में मदद मिलेगी।

(ग) "माननीय प्रधान मंत्री ने ग्लासगो में आयोजित COP26 शिखर सम्मेलन में अपने कथन में कहा है कि भारत की गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट तक पहुंच जाएगी और भारत वर्ष 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करेगा।" नाभिकीय ऊर्जा और नवीकरणीय जैसी स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के प्रगतिशील इस्तेमाल द्वारा वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने की परिकल्पना की गई है।

* * * * *